Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

▫ वर्ष- 29 ▫ अंक- 120 ▫ रायपुर, रविवार 24 मई 2026 ▫ पृष्ठ-8 ▫ मूल्य- 2.50 रुपया • रायपुर • जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

गर्मी से हाहाकार! 18 जिलों में हीटवेव का अलर्ट

राजनांदगांव में 46 डिग्री का टॉर्चर, 5 दिनों के बाद गर्म हवाओं से राहत के आसार

रायपुर, 24 मई (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ में मौसम शुष्क बना हुआ है. पिछले 24 घंटों में अधिकतम तापमान में कोई विशेष बदलाव नहीं हुआ. मौसम विभाग ने अगले 5 दिनों तक मध्य छत्तीसगढ़ के एक-दो पॉकेट में गर्मी की लहर चलने की संभावना जताई है. 5 दिनों के बाद ही गर्म हवाओं से राहत के आसार हैं।

प्रदेश में शनिवार को मौसम शुष्क रहा और एक दो पॉकेट में गर्मी की लहर चली. इस दौरान सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान 46 डिग्री सेल्सियस राजनंदगांव में, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 22.6 डिग्री अंबिकापुर में दर्ज किया गया। मौसम विज्ञानी एच.पी. चंद्रा ने बताया कि एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण दक्षिण बिहार और उसके आसपास 0.9 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है. एक उत्तर दक्षिण द्रोणिका दक्षिण पश्चिम विहार से उत्तर तटीय आंध्र प्रदेश तक छत्तीसगढ़ होते हुए 0.9 किलोमिटर ऊंचाई तक विस्तारित है. प्रदेश में उत्तर पश्चिम से गर्म और शुष्क हवाओं का आगमन लगातार बने रहने के कारण अधिकतम तापमान में वृद्धि का क्रम जारी है. प्रदेश में आज अधिकतम तापमान में हल्की वृद्धि के साथ कोई विशेष परिवर्तन होने की संभावना नहीं है. ग्रीष्म लहर और ग्रीष्म लहर जैसी स्थिति बने रहने की संभावना है. प्रदेश में मौसम मुख्यतः शुष्क रहने की संभावना है।

बिलासपुर, रायगढ़, मुंगेली, रायपुर, बलौदाबाजार, दुर्ग, बेमेतरा, कबीरधाम, राजनांदगांव, सारंगढ़-बिलाईगढ़, सक्ती, कोरबा, जांजगीर-चांपा, गरियाबंद, धमतरी, महासमुंद, बालोद और खैरागढ़-छुईखदान-गंड़ाई में एक दो पॉकेट में ग्रीष्म लहर चलने की संभावना जताई गई है. इन इलाकों में ऑरेंज और यलो अलर्ट जारी किया गया है. मौसम विभाग ने रायपुर के लिए पूर्वानुमान जारी किया है. रविवार को आकाश मुख्यतः साफ रहने की संभावना है. अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया जा सकता है।

अलग-अलग शहरों के अधिकतम तापमान

रायपुर - 44.3 डिग्री सेल्सियस
बिलासपुर - 44.5 डिग्री सेल्सियस
पेंड्रा - 41.6 डिग्री सेल्सियस
अंबिकापुर - 41.7 डिग्री सेल्सियस
जगदलपुर - 43.1 डिग्री सेल्सियस

गर्मी से तपा पूरा भारत: विदर्भ में पारा 47.2°C पार, तेलंगाना में लू से 16 लोगों की मौत

नई दिल्ली, 24 मई (न्यूज चैनल)। देश का एक बड़ा हिस्सा इस समय भीषण गर्मी और जानलेवा लू की चपेट में है। सूरज की तपिश और झुलसाने वाली गर्म हवाओं ने जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने चेतावनी जारी की है कि मध्य और उत्तर भारत में मई के अंत तक लू का यह खौफनाक दौर जारी रहने वाला है। उत्तर प्रदेश और हरियाणा सहित कई राज्यों में अधिकतम तापमान 45 से 47 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है, जिससे अस्पतालों में डिहाइड्रेशन और हीट स्ट्रोक के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ने लगी है।

भीषण गर्मी अब जानलेवा साबित हो रही है। तेलंगाना के सात जिलों में हीटस्ट्रोक यानी लू लगने के कारण 16 लोगों की दर्दनाक मौत हो चुकी है। हालात की गंभीरता को देखते हुए राज्य के राजस्व और सूचना मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने सचिवालय में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आपातकालीन समीक्षा बैठक की। सरकार ने सभी मृतकों के परिवारों को 4-4 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने का एलान किया है। प्रशासन ने नागरिकों, विशेषकर बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और बच्चों को दोपहर 11 बजे से शाम 4 बजे के बीच बाहर न निकलने की सख्त सलाह दी है। उधर, पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर बलबीर सिंह ने भी सभी सरकारी अस्पतालों को हीट स्ट्रोक प्रबंधन के लिए आइस पैक और विशेष कूलिंग यूनिट्स सक्रिय करने के निर्देश दिए हैं। इस समय सबसे डराने वाले आंकड़े महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र से सामने आ रहे हैं। यहां के ब्रह्मपुरी में अधिकतम तापमान 47.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है, जो पूरे देश में सबसे ज्यादा है।

ब्रेकिंग न्यूज

कुर्बानी के सवाल पर मौलाना का बड़ा बयान- 'गाय हमारी माता है'

नई दिल्ली, 24 मई (न्यूज चैनल)। पश्चिम बंगाल में कुर्बानी को लेकर सियासत और बयानबाजी तेज हो गई है। एजेयूपी प्रमुख हुमायूं कबीर के विवादित बयान के बाद अब नखोदा मस्जिद के इमाम मौलाना मोहम्मद शफीक कासमी ने लोगों से कानून के दायरे में रहकर त्योहार मनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि केवल उन्हीं जानवरों की कुर्बानी दी जाए, जिनकी अनुमति कानून देता है। साथ ही उन्होंने गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग भी उठाई। मौलाना ने कहा कि ईद की नमाज और कुर्बानी पूरी शांति, भाईचारे और सौहार्द के साथ होनी चाहिए। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल सरकार ने इस बार ईद पर कुर्बानी को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसी बीच हुमायूं कबीर के बयान पर राजनीतिक और धार्मिक हलकों में बहस तेज हो गई है।

पिता ने अपनी मासूम बेटी के साथ किया दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

अंबिकापुर, 24 मई (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर जिले से मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है, जहां कलयुगी पिता ने अपने ही 11 साल की बेटी के साथ दुष्कर्म किया। पीड़ित मासूम ने अपने मां को आप बीती बताई। मां की शिकायत पर गांधीनगर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है। घटना सामने आने के बाद लोगों में भारी आक्रोश है। आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की जा रही है। वहीं वकील एसोसिएशन ने भी मामला सही पाए जाने पर आरोपी की पैरवी नहीं करने की बात है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। जानकारी के मुताबिक, आरोपी पहले भी महिला संबंधी अपराध में सजा काट चुका है। सीएसपी राहुल बंसल ने बताया कि दुष्कर्म की शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। आरोपी पहले भी महिला संबंधी अपराध में जेल जा चुका है।

इबोला वायरसः सरकार ने दी कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, युगांडा और दक्षिण सूडान की गैर-आवश्यक यात्रा से बचने की सलाह

नई दिल्ली, 24 मई (न्यूज चैनल)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और युगांडा में इबोला रोग के प्रकोप को देखते हुए इसे अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया है। यह घोषणा अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य विनियम, 2005 के तहत 17 मई को की गई थी। इसे देखते हुए भारत सरकार ने अपने नागरिकों को कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान की गैर-जरूरी यात्रा से बचने की सलाह दी है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, अफ्रीका रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र ने कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और युगांडा को प्रभावित करने वाले बुंडिबुग्यो स्ट्रेन इबोला वायरस रोग के चल रहे प्रकोप को %महाद्वीपीय सुरक्षा का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल% भी घोषित किया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की आईएचआर आपातकालीन समिति ने 22 मई को रोग निगरानी को मजबूत करने के लिए अस्थायी सिफारिशें जारी कीं। इन सिफारिशों में बुंडिबुग्यो वायरस का पता चलने वाले क्षेत्रों से आने वाले बिना किसी स्पष्टीकरण के बुखार वाले यात्रियों का पता लगाना, उनका मूल्यांकन करना, रिपोर्ट करना और प्रबंधन करना शामिल है।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में बीएलए का बड़ा हमला

क्वेटा शहर में रेलवे ट्रैक पर आत्मघाती हमले में 30 की मौत

नई दिल्ली, 24 मई (न्यूज चैनल)। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में रविवार को एक भीषण बम धमाके ने हड़कंप मचा दिया। क्वेटा में चमन फाटक रेलवे स्टेशन के पास सैन्य कर्मियों को ले जा रही ट्रेन को निशाना बनाकर किए गए इस शक्तिशाली विस्फोट में कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई और 50 से अधिक लोग घायल हो गए। धमाके की वजह से एक ट्रेन पटरी से उतर गई. विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि इसके प्रभाव से आसपास खड़ी कम से कम 10 गाड़ियों के परखच्चे उड़ गए। पाकिस्तान के क्वेटा शहर में रेलवे ट्रैक के पास हुए ब्लास्ट में 30 लोगों की मौत हो गई, जबकि 50 लोग घायल बताए जा रहे हैं. धमाका इतना तेज था कि इलाके में अफरा-तफरी मच गई. घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

पाकिस्तान के क्वेटा शहर में रेलवे ट्रैक के पास हुए बड़ा धमाका हुआ, जिसमें 30 लोगों की मौत हो गई, जबकि 50 लोग घायल बताए जा रहे हैं. धमाका इतना तेज था कि इलाके में अफरा-तफरी मच गई. घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है. सरकारी अस्पतालों में इमरजेंसी घोषित की गई है. धमाके की वजह से एक ट्रेन पटरी से उतर गई. रिपोर्ट्स के मुताबिक, ट्रेन क्वेटा कैंट इलाके की तरफ जा रही थी, तभी

जाफर एक्सप्रेस की कई बोगी पूरी तरह जलकर खाक

रेलवे लाइन पर विस्फोट हुआ. धमाके के बाद इलाके में गोलियों की आवाजें भी सुनाई दीं, जिससे लोगों में डर फैल गया।

रेल अधिकारियों ने बताया कि क्वेटा कैंट से आने वाली शटल ट्रेन को चमन फाटक के पास निशाना बनाया गया. धमाके में इंजन समेत ट्रेन के तीन डिब्बे पटरी से उतर गए, जबकि दो डिब्बे पलट गए. पार्किंग में खड़ी 10 गाड़ियों को भी नुकसान पहुंचा. धमाके का असर इतना तेज था कि आसपास की इमारतों के शीशे और खिड़कियां टूट गईं. पूरे इलाके को घेर लिया गया है और रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है. घटना के बाद एहतियात के तौर पर पेशावर जाने वाली जाफर एक्सप्रेस को क्वेटा रेलवे स्टेशन पर रोक दिया गया। पाकिस्तान के रेल मंत्री मोहम्मद हनीफ अब्बासी ने इस हमले की कड़ी निंदा की है. उन्होंने इसे कायराना आतंकी हमला बताया और कहा कि ऐसे हमले आतंकवाद के खिलाफ पाकिस्तान के हौसले को कमजोर नहीं कर सकते। बलूचिस्तान सरकार के अधिकारी बाबर यूसुफजई ने बताया कि पुलिस, सुरक्षा बल और रेस्क्यू टीम तुरंत मौके पर पहुंच गई. पुलिस अब यह जांच कर रही है कि धमाका कैसे हुआ।

एयरपोर्ट पर रिल्स-वीडियो बनाना अब पड़ेगा भारी

यात्रा पर लगेगा बैन, फोन भी होगा जब्त

रायपुर, 24 मई (हाईवे चैनल)। सोशल मीडिया के लिए रील्स, वीडियो और फोटो खिंचवाना एक शौक नहीं, बल्कि ट्रेंड बन चुका है. लेकिन अब शौक आपको महंगा पड़ सकता है. डीजीसीए और ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्यूरिटी ने नियमों में सख्ती करते हुए नई गाइडलाइन जारी की है. अब हवाई यात्री एयरपोर्ट के सुरक्षा होल्ड एरिया पर रील बनाना पूरी तरह से बैन रहेगा. साथ ही हवाई जहाज के खड़े होने वाली जगह और बस से यात्रियों को विमान ले जाने तक वाले स्थान पर रुककर रील, फोटो या वीडियो बनाना भी प्रतिबंधित कर दिया गया है।

डीजीसीए की नई गाइडलाइन- सुरक्षा होल्ड एरिया, जहां सीआईएसएफ यात्रियों और उनके सामान की जांच करती है, वहां वीडियो बनाना पूरी तरह प्रतिबंधित है। विमान पार्किंग एरिया या बस से विमान तक जाते समय रुककर रील, फोटो या वीडियो बनाना भी मना है। यात्री टेक-ऑफ, लैंडिंग या उड़ान के दौरान अपनी सीट या खिड़की से सामान्य फोटो और वीडियो ले सकते हैं। केबिन क्रू कैमरा बंद करने के लिए कहे, तो उसका तुरंत पालन करना अनिवार्य होगा। क्रू मेंबर के मना करने के बावजूद वीडियो बनाते रहने पर यात्री को 'अनरूली पैसेंजर' की श्रेणी में रखा जा सकता है।

नियम तोड़ने पर ये होगी कार्रवाई - एयरपोर्ट के प्रतिबंधित क्षेत्रों में यदि कोई यात्री सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करता है, या फिर क्रू के मना करने के बाद भी फ्लाइट में वीडियो शूटिंग और हंगामा जारी रखता है, तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। नियमों का उल्लंघन करने वाले यात्रियों पर डीजीसीए की 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत 3 महीने से लेकर 2 साल या उससे अधिक समय तक हवाई यात्रा पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है। ऐसे मामलों में सीआईएसएफ द्वारा मोबाइल या अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए जा सकते हैं, साथ ही विमान अधिनियम के तहत कानूनी केस भी दर्ज हो सकता है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी पर सियासत

पूर्व सीएम बघेल ने कहा- हाईकमान तय करता है किसे क्या बनाना है

रायपुर, 24 मई (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी को लेकर एक बार फिर सियासत गरमा गई है। इस पूरे मामले पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का एक बड़ा बयान सामने आया है, जिसने सियासी गलियारों में हलचल तेज कर दी है। पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव के हालिया बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए भूपेश बघेल ने साफ रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि मैं टीएस सिंहदेव के किसी भी बयान पर प्रतिक्रिया नहीं देता। वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष को लेकर चल रही राजनीतिक बयानबाजी के बीच भूपेश बघेल ने कहा कि दीपक बैज पिछले तीन-साढ़े तीन साल से छत्तीसगढ़ कांग्रेस के अध्यक्ष हैं और पूरी पार्टी उनके नेतृत्व में काम कर रही है। वहीं उन्होंने आगे कहा कि किसे नेता प्रतिपक्ष बनाना है और किसे पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष बनाना है, यह सब तय करना हाईकमान का काम है। इसलिए मैं इन सब चीजों में अपनी बुद्धि नहीं लगाता। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने देश के वर्तमान हालातों की तुलना अघोषित आपातकाल से करते हुए युवाओं (Gen-Z) से बड़ी उम्मीदें जताई हैं। भूपेश बघेल ने कहा कि देश में आज लोकतंत्र को कमजोर किया जा रहा है, लेकिन नई पीढ़ी इसे दोबारा खड़ा करने की इच्छाशक्ति रखती है।

प्रेसवार्ता के दौरान भूपेश बघेल ने आज की युवा पीढ़ी की ताकत का जिक्र किया। उन्होंने एक दिलचस्प उदाहरण देते हुए कहा, आजकल Gen-Z का जमाना है। इसका अद्भुत प्रभाव पूरे भारतीय उपमहाद्वीप में देखने को मिला है कि कैसे महज 4 दिन में 2 करोड़ फॉलोअर्स मिल जाते हैं। इस पीढ़ी की लोकतंत्र के प्रति बड़ी आस्था है। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी खुद 'लड्ढ्ठ-ँ' को आमंत्रित कर रहे हैं। इस बार के संगठन चुनावों में 90 के दशक के बाद के लड़के नेतृत्व करेंगे। युवा कांग्रेस, मुख्य कांग्रेस का सबसे मजबूत स्तंभ है। पहले सदस्यता अभियान होगा और फिर चुनाव की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। लोकतंत्र को बचाने के लिए युवा लड़ाई लड़ेंगे और इसका लाभ निश्चित तौर पर कांग्रेस को मिलेगा। केंद्र सरकार की नीतियों पर बरसते हुए पूर्व सीएम ने कहा कि देश में इस वक्त अघोषित रूप से आपातकाल लगा हुआ है।

तेंदूपत्ता से भरी माजदा धू-धू कर जली, हाईटेंशन तार से टकराने पर हुआ हादसा

मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, 24 मई (हाईवे चैनल)। मोहला के केशला गांव में तेंदूपत्ते से लदा ट्रक जलकर खाक हो गया. हादसे में लाखों रुपए के तेंदूपत्ता और ट्रक जलकर खाक हो गए हैं. वाहन पर चालक समेत 6 लोग मौजूद थे. उन्होंने कूदकर अपनी जान बचाई. थाना प्रभारी गोटाटोला इंस्पेक्टर खोमन भंडारी ने घटना की पुष्टि की है।

जानकारी के मुताबिक, अडमागोंदी गांव स्थित तेंदूपत्ता फड़ से शनिवार की देर रात तेंदूपत्तों से भरे बोरे लादकर स्वराज माजदा वाहन डोंगरगांव ला रहा था. इसी बीच ग्राम केशला में वाहन हाइटेंशन विद्युत लाइन के संपर्क में आ गया. बिजली के तार आपस में टकराए, जिससे निकली चिंगारी से अचानक तेंदूपत्ता की बोरियों में आग लग गई. देखते ही देखते वाहन भी तेंदूपत्तों के साथ आग की चपेट में आ गया। वाहन चालक ने जलते हुए वाहन को बस्ती से बाहर निकाला और एक स्थान पर वाहन को खड़ा कर दिया. पानी छिड़ककर वाहन को आग से बचाने का प्रयास भी किया गया. हालांकि आग पर काबू पाने से पहले ही लाखों रुपये के तेंदूपत्ता समेत वाहन का अधिकांश हिस्सा जलकर खाक हो गया। वाहन मालिक राजनांदगांव के तेंदुपत्ता ठेकेदार योगेश कोटक है. वाहन में लगभग 10 लाख रुपए की लागत का तेंदुपत्ता लदा था. वाहन चालक और 5 अन्य मजदूर सभी सुरक्षित हैं. गोटाटोला पुलिस घटना की जांच में जुट गई है।

हाथी शावक की मौतः तालाब में नहाने के दौरान हुआ हादसा

रायगढ़, 24 मई (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में बीती रात तालाब में नहाने के दौरान बड़े हाथी के नीचे दबने से एक हाथी शावक की मौत हो गई है। घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच चुकी है। मामला छाल रेंज का है। जानकारी के अनुसार, छाल रेंज में पिछले कई दिनों से 70 हाथी अलग-अलग दलों में विचरण कर रहे हैं। बीती रात 8:00 बजे के आसपास हाथियों का एक दल पुसल्दा गांव के जंगल आमामुड़ा तालाब में नहा रहा था। इसी बीच बड़े हाथी के नीचे दबने से एक हाथी शावक की मौत हो गई है।

गांव के ग्रामीणों ने बताया कि हाथी शावक की मौत होने के बाद मादा हाथी ने ही मृत शावक के शव को बाहर निकाला निकाला और रात भर हाथियों का दल तालाब किनारे चिंघाड़ रहा था। वहीं आज सुबह भी हाथियों का दल मृत शावक के शव के आसपास ही विचरण कर रहा है, जिसके कारण वन विभाग की टीम शावक तक नहीं पहुंच पा रही है। छाल रेंज में हाथी शावक की मौत की खबर मिलते ही वन विभाग के अलावा डॉक्टरों की टीम मौके पर पहुंच चुकी है, हाथियों के जंगल में जाते ही आगे की प्रक्रिया करने की बात कही जा रही है। बता दें कि बीती रात की घटना को मिलाकर जिले में बीते 5 माह के भीतर 8 हाथी शावकों की अलग-अलग रेंज में मौत हो चुकी है, जो गंभीर चिंता का विषय बनते जा रहा है।